**<u>वार्षिक लेखे पूर्ण कराया जाना/तत्काल</u>**

<u>संख्या-95/1168/84-1-13-1035(अनु0सम्परीक्षा)/2013</u>

प्रेषक,

धर्म चन्द्र पाण्डेय,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

अधिशासी निदेशक,
उ0प्र0 राज्य कर्मचारी कल्याण निगम,
जवाहर भवन, लखनऊ।

<u>उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1</u> लखनऊ दिनॉक 11 नवम्बर, 2013

विषय- सार्वजनिक उपक्रमों की वर्ष 2011-12 एवं वर्ष 2012-13 तक बकाया वार्षिक लेखों को पूर्ण कराकर अनुपूरक सम्परीक्षा हेतु उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-46/1035/84-1-13-1035(अनु0 सम्परीक्षा)/2013, दिनॉक 08 अक्टूबर, 2013 एवं पत्र संख्या- 83/1153/84-1-13-1035(अनु0सम्परीक्षा)/2013, दिनॉक 01-11-2013 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रकरण में उपमहालेखाकार, उ0प्र0, इलाहाबाद की अपेक्षानुसार अपने विभाग के अधीनस्थ सार्वजनिक उपक्रमों की वर्ष 2011-12 एवं वर्ष 2012-13 तक के वार्षिक बकाया लेखों को तत्काल पूर्ण कराने के उपरान्त उप महालेखाकार-एसएस-।।। (जनरल एण्ड सोशल सेक्टर आडिट) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था किन्तु अभी तक कोई सूचना शासन को उपलब्ध नहीं करायी गयी है। अत: अनुरोध है कि कृपया प्रकरण में व्यक्तिगत ध्यान देकर उक्त वर्षो के बकाया लेखों को तत्काल पूर्ण कराने के उपरान्त सूचना तत्काल उप महालेखाकार-एसएस-।।। (जनरल एण्ड सोशल सेक्टर आडिट) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को उपलब्ध कराते हुए उसकी एक प्रति उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1 को भी उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(धर्म चन्द्र पाण्डेय)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in